पांच करोड़ की सायबर ठगी का पर्दाफाश, सात जने गिरफ्तार, सरगना फरार

बड़ी मात्रा में सायबर क्राइम में प्रयुक्त सामग्री व अवैध हथियार बरामद किए

डीडवाना, (निसं)। जिला पुलिस ने सायबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक संगठित सिंडिकेट गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में सायबर क्राइम में प्रयुक्त सामग्री व अवैध हथियार बरामद किए हैं। वहीं गिरोह का मुख्य सरगना दिनेश रणवा पुलिस की पकड़ से फरार हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया।

पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि प्राप्त सायबर शिकायतों के आधार पर सायबर सेल और डीडवाना वृताधिकारी धरम पुनिया के नेतृत्व में पुलिस टीम को मौलासर थाना क्षेत्र के पीपला का बास गांव के नजदीक तलाई इलाके में एक स्कॉर्पियो कार में बैठे सायबर ठगों की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर सात को दबोच लिया। मुख्य सरगना मौके से फरार होने में सफल हो गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों से 21 एटीएम कार्ड, 22 सिम कार्ड, 10 मोबाइल फोन, एक वाई-फाई डोंगल,

पुलिस ने करोड़ों की ठगी मामले में सात जनों को गिरफ्तार किया।

- डिजिटल अरेस्ट, लिंक भेजकर ठगी और बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देकर उन्हें फंसाने जैसी तरकीबों से लोगों को ठगी की थी

4 चेकबुक, 9 पास बुक, 34 हजार नगद, एक स्कॉर्पियो कार, एक पिस्टल मय मैग्जीन व 12 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। शुरुआती जांच में गैंग से 5 करोड़ रुपये से अधिक की सायबर ठगी के लेनदेन का खुलासा हुआ है।

एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पीपला का बास, मौलासर निवासी शिवपाल सिंह और जितेन्द्र सिंह, चितावा थाना क्षेत्र के कुकनवाली गांव निवासी विकास कुमार, कुचामन सिटी क्षेत्र के कुकनवाली निवासी रामदेवाराम, उदयपुरा निवासी मुकेश और कमल, तथा आथूना दरवाजा, कुचामन सिटी निवासी आदिल उर्फ मोनू शामिल हैं। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि आरोपियों द्वारा आपराधिक षड्यंत्र के तहत भोले-भाले लोगों को कमीशन व लालच देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक व सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए जाते थे। इसके बाद सायबर ठगी की राशि इन खातों में डलवाकर एटीएम, चेक या ई-मित्र के माध्यम से निकालकर मुख्य सरगना तक पहुंचाई जाती थी। कमीशन के रूप में गैंग के सदस्य हिस्सा पाते थे। पुलिस के अनुसार यह गैंग डिजिटल अरेस्ट, लिंक भेजकर ठगी और बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देकर उन्हें फंसाने जैसी तरकीबों से लोगों को ठगता था।

यह पूरी कार्रवाई पुलिस महानिदेशक राजस्थान जयपुर और अजमेर रेंज आईजी राजेन्द्र सिंह के निर्देशन में, डीडवाना-कुचामन एसपी ऋचा तोमर की पर्यवेक्षण और एएसपी नेमीचंद खारिया व वृताधिकारी धरम पूनिया के सुपरविजन में हुई। इसमें मौलासर, कुचामन, चितावा थाना पुलिस व सायबर सेल डीडवाना की संयुक्त टीम ने अहम भूमिका निभाई।

छह लाख रूपये का अफीम दूध जब्त, चार अभियुक्त गिरफ्तार

सरूण्ड थाना पुलिस ने कार्रवाई की चार जनों को गिरफ्तार किया।

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही की है। पुलिस ने छह लाख रूपये का अफीम दूध सहित चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया व वारदात में प्रयुक्त स्वीफ्ट गाड़ी जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने प्रैस वार्ता में जानकारी देते हुये बताया कि गत 24 अगस्त की रात्रि को गश्त व नाकाबंदी के दौरान सरूण्ड थाना पुलिस को डीएसटी टीम के कानि. धर्मेन्द्र द्वारा सूचना दी गई कि एक स्वीफ्ट गाड़ी गोरधनपुरा से कुजोता की ओर आ रही है। पुलिस टीम ने उक्त गाड़ी को रोकने का प्रयास किया तो चालक उसको भगा ले गया। इस पर पुलिस टीम द्वारा कुजोता मोड़ स्थित कंजर बस्ती के पास नाकाबंदी की गई तो उक्त स्वीफ्ट गाड़ी आती हुई दिखाई दी। जिस पर एसएचओ बाबूलाल मीणा ने गाड़ी को रोककर चालक से भागने

- पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्वीफ्ट गाड़ी जब्त की

का कारण पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे पाया एवं घबरा गया। कार सवार युवकों ने अपना नाम मोहित मोहन, राजवीर, बलवान उर्फ बल्ले बताया। पुलिस ने गाड़ी की जांच की तो सीट के नीचे प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध पाया गया। कार सवार लोगों से इस बाबत पूछताछ की तो उन्होंने कोई लाईसेंस अथवा अनुज्ञा पत्र होना नहीं बताया।

इस पर पुलिस ने उक्त मादक पदार्थ अफीम दूध का वजन किया तो 1 किलो 780 ग्राम वजन पाया गया, जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत मौके पर ही सील कर जप्त किया। साथ ही स्वीफ्ट गाड़ी को जप्त करते हुये अवैध मादक पदार्थ का परिवहन कर रहे आरोपी हरिन्द्र राठी (25) पुत्र सरजीत गुर्जर निवासी बार गुर्जर, थाना खेड़की दौला व मोहित मोहन (25) पुत्र मदन लाल राजपूत निवासी सदना पार्क के पास, सैक्टर 10 जिला गुड़गांव (हरियाणा) एवं राजवीर (25) पुत्र बलराम गुर्जर व बलवान उर्फ बले (25) पुत्र विश्राम गुर्जर दोनों निवासी मिलकपुर गुर्जर थाना फुलबाग, खैरथल-तिजारा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा जप्त किये गये उक्त मादक पदार्थ अफीम दूध की बाजार किमत करीब छह लाख रूपये हैं। इस संबंध में थाना पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर इस बाबत अनुसंधान किया जा रहा है कि गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों द्वारा यह अफीम दूध कहां से लाया गया एवं कहां ले जाया जा रहा था। साथ ही इस बाबत भी अनुसंधान किया जा रहा है कि इस अवैध धंधे में कौन-कौन व्यक्ति शामिल हैं।

राष्ट्रसंत पुलक सागर ने के.के. गुप्ता के कार्यों की सराहना की

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रसंत आचार्य पुलक सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास भव्यता के साथ संपादित हो रहा है। टाउन हॉल नगर निगम प्रांगण में ज्ञान गंगा महोत्सव के विशेष प्रवचन के अवसर पर रविवार प्रात: स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार के कोऑर्डिनेटर के के गुप्ता सम्मिलित हुए और आचार्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस विशेष अवसर गौ माता संवर्धन कार्यक्रम में के. के. गुप्ता द्वारा उपस्थित हुकमचंद सावला केंद्रीय परामर्श समिति सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्र संत पुलक सागर को गौ माता की मूर्ति भेंट की तथा स्वच्छ भारत

राष्ट्रसंत पुलक सागर को के.के. गुप्ता ने गौ माता की मूर्ति भेंट की।

- गुप्ता ने स्वच्छता, जल और पर्यावरण संरक्षण में अथक परिश्रम करके डूंगरपुर को श्रेष्ठ बनाया : पुलक सागर महाराज

मिशन पर्यावरण जल संरक्षण जल संचय एवं गौ माता संरक्षण के पोस्टर का विमोचन राष्ट्रीय संत पुलक सागर महाराज के निर्देशन में करवाया गया।

महाराज ने कहा कि गुप्ता ने स्वच्छता, जल और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अथक परिश्रम करके डूंगरपुर नगर को नंबर एक बनाने के प्रयास किए और इन्हें शत प्रतिशत सफलता भी प्राप्त हुई है। वर्ष 2018 में डूंगरपुर नगर का प्रवास हुआ था, उस समय डूंगरपुर नगर को नजदीक से देखा था लेकिन, आज के समय में डूंगरपुर नगर एक स्वच्छ, सुंदर, हरा भरा और जल युक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर का नगर बन चुका है। गुप्ताजी के इन अनुकरणीय कार्यों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह द्वारा भी के.के. गुप्ता को सम्मानित किया गया है। महाराज ने कहा कि गुप्ताजी जैसा व्यक्तित्व देश के प्रत्येक शहर में मिल जाए तो इस देश में स्वच्छता की क्रांति आने में देर नहीं लगेगी और हमारा भारतवर्ष पुन: विश्वगुरु की उपाधि को प्राप्त करेगा। गुप्ताजी को मेरा अत्यंत आत्मीय आशीर्वाद है।

इस अवसर पर गुप्ता ने बताया कि आचार्य पुलक सागर महाराज का आशीर्वाद मेरे ऊपर बहुत वर्षों से बना हुआ है और मैं वैश्य अग्रवाल समाज से आता हूं, लेकिन जैन समुदाय के साधु संतों का मेरे प्रति विशेष स्नेह है तथा मुझमें भी जैन साधुओं के प्रति अत्यंत श्रद्धा है। नेक नियति से किए जाने वाले कार्यों मे ईश्वर के साथ-साथ साधु संतों का भी आर्शीवाद प्राप्त होता है और उसी का परिणाम रहा कि डूंगरपुर शहर को नीत नए सोपानों पर लाकर खड़ा कर दिया तथा विश्व पटल पर डूंगरपुर स्वच्छता के क्षेत्र में मिसाल बनकर उभर गया। गुप्ता ने कहा कि मैं डूंगरपुर नगर परिषद का सभापति रहा। हमारे शहर में राष्ट्रीय क्रांतिकारी संत गुरुदेव तरुण सागर महाराज का सबसे पहले जब प्रवेश हुआ इसके बाद राष्ट्र संत आचार्य पुलक सागर महाराज, आनंद सागर महाराज, सुनील सागर महाराज, नवरत्न सागर, प्रद्युम्न विमल महाराज, अभय देव सूरीश्वर महाराज, हेमचंद सूरीश्वर महाराज आदि जब जब किसी भी संत का शहर में प्रवेश हुआ, हमने उन्हें शहर में किसी भी प्रकार की समस्याएं नहीं आने दीं तथा जब भी संत हमारे शहर में प्रवेश करते थे तो हम उनके आगे-आगे फायर ब्रिगेड गाड़ी चलाते थे तथा पानी का छिड़काव पर करते थे, जिससे संत को गर्म सड़क पर चलने में दिक्कत नहीं हो।

एनएसयूआई कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

परीक्षा परिणाम में अधिकतर छात्रों को शून्य मार्क्स देने का मामला

अजमेर, (कासं)। एमडीएस यूनिवर्सिटी के परीक्षा परिणामों में अधिकतर छात्रों को शून्य मार्क्स देने सहित अन्य मांगों को लेकर एनएसयूआई के देहात जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में सोमवार को छात्र नेताओं सहित स्टूडेंट्स ने एमडीएस यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार पर टायर जलाकर अपनी नाराजगी जताई।

प्रदर्शन के दौरान यूनिवर्सिटी परिसर में घुसने और कुलपति को बाहर बुलाने को लेकर कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई। मौके पर पहुंचे कुलगुरु को छात्र नेताओं ने ज्ञापन सौंपा। कुलगुरु ने आश्वासन दिया कि जल्द ही मांगों पूरा करने के प्रयास किए जाएंगे। वहीं छात्र नेताओं ने चेतावनी दी है कि मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

एनएसयूआई देहात जिला अध्यक्ष अंकित घारू के नेतृत्व में सोमवार को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्टूडेंट पहुंचे और टायर जलाकर हाथों में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बद कुछ देर के लिए मुख्य दरवाजे को बंद कर उस पर चढ़कर नारेबाजी की गई। प्रदर्शन करते हुए कुलपति भवन पहुंचे। इसके बाद कुलपति को बाहर बुलाने को लेकर धरना दिया। कुलपति के बाहर नहीं आने पर कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। काफी देर बाद कुलगुरु प्रो. सुरेशचंद्र बाहर आए और स्टूडेंट्स ने अपनी विभिन्न मांगों का ज्ञापन

- एनएसयूआई कार्यकताओं की पुलिस से धक्का-मुक्की हुई, कुलगुरु को सौंपा ज्ञापन

दिया। उन्होंने मांग की कि यूनिवर्सिटी द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं, जिसमें अधिकतर छात्रों को शून्य मार्क्स दिए गए हैं, जिससे समस्त छात्र असंतुष्ट हैं, जिससे जाहिर होता है कि एग्जाम रिजल्ट में कहीं ना कहीं अनियमित बरती गई है। परीक्षा परिणाम की निष्पक्ष जांच की जाए। यूनिवर्सिटी में जो सेमेस्टर सिस्टम शुरू किया गया उसे बंद किया जाए। इससे छात्रों पर भार बढ़ा है, जो ग्रेजुएट 3 वर्ष में होती थी वह सेमेस्टर के चलते 5 से 6 वर्ष में हो रही है, जिससे अगर इन छात्रों को कंपटीशन की तैयारी करनी हो तो उन्हें काफी परेशानी से गुजरना पड़ेगा। यूनिवर्सिटी में सेमेस्टर में डबल परीक्षा फीस ली जा रही है, उससे छात्रों पर आर्थिक भार बढ़ेगा। इसे तुरंत प्रभाव से एक वर्ष में एक बार ही ली जाए। यूनिवर्सिटी में परीक्षा परिणाम घोषित किए जाते हैं जो तय समय से काफी देरी से घोषित होते हैं। जिससे छात्रों को काफी परेशानी उत्पन्न होती है। कुलगुरु ने मामले में जांच कर जल्द मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।

देहात जिला अध्यक्ष अंकित घारू ने कहा कि यदि छात्र हितों में उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

तीस लाख रूपये मुआवजे पर सहमति बनी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में कुंवारी माइंस में रविवार को पानी में डूबने से 4 नाबालिगों की मौत के मामले में सोमवार अलसुबह मुआवजे पर सहमति बन पाई। इसके बाद चारों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमबी हॉस्पिटल मॉर्च्युरी में शिफ्ट किया गया, जहां पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सुपूर्द कर दिए। इससे पहले रविवार शाम चार बजे से सोमवार सुबह चार बजे तक ग्रामीण और उनके परिजन चारों मृतक बच्चों के शवों के लेकर माइंस के बाहर बैठे रहे। कई बार पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में माइंस प्रतिनिधि और ग्रामीणों की वार्ता विफल रही।

वार्ता में मौजूद रहे बीटीपी नेता अंगूरलाल गमेती ने बताया कि प्रत्येक मृतक बच्चे को 10-10 लाख के हिसाब से कुल 50 लाख मुआवजा और परिवार में एक को माइंस में नौकरी की मांग कर रहे थे। आखिरकार कुल 30 लाख यानी प्रत्येक मृतक परिवार को 7.30 लाख मुआवजा दिए जाने पर सहमति बन पाई। इसके बाद शवों को उठाया गया।

ग्राफ्टिंग विधि से किसान ने परम्परागत सोच को बदला

बीकानेर, (निसं)। खेतों में विभिन्न वनस्पति ऐसी होती हैं जो अपने आप उगती है। किसान इन्हें खरपतवार, अनुपयोगी और नुकसानदेह मानते हैं, लेकिन बीकानेर के हिम्मतासर निवासी किसान रामेश्वर लाल खींचड़ ने इस सोच को बदला है। उन्होंने न सिर्फ अपने खेत में उगी जंगली झाड़ियों को उपयोगी बनाया बल्कि दो किस्मों का पेटेंट भी लिया है। रामेश्वर अब तक 963 किसानों को इसका प्रशिक्षण देकर ट्रेनर बना चुके हैं।

किसान रामेश्वर लाल ने बताया कि 30 साल पहले इजरायल का एक डॉक्टर बीकानेर आया था। उसने अंग्रेजी में भाषण दिया। मैंने एक पढ़े-लिखे सज्जन से पूछा कि इन्होंने ऐसा क्या कह दिया। सज्जन ने बताया कि कोई भी वनस्पति बेकार नहीं होती, राजस्थान के किसान ग्राफ्टिंग विधि से पेड़-पौधों की किस्म बदलना सीख लें तो यहां की धरती सोना उगल सकती है। बस, वहीं से मैंने ठान लिया कि खरपतवार और जंगली अनुपयोगी झाड़ियों को उपयोगी बनाऊंगा। इसके बाद मैं श्रीगंगानगर में एक शिविर में गया, दो दिन रहकर ग्राफ्टिंग विधि सीखी। फिर बाड़मेर-जैसलमेर जाकर बिना कांटों वाली खेजड़ी की टहनियां लाया। उन्हें अपने बंजर खेत में कांटों वाली अनुपयोगी कुछ झाड़ियों पर चढ़ाकर प्रयोग किया। उनमें 8-10 दिन में कोंपलें फूटने लगीं और कुछ दिन बाद बेर आने लगे। खेजड़ी पर प्रयोग कर कांटों वाली खेजड़ी को कांटों रहित बनाया। अब तक मैं खेजड़ी की 18 और बेर (हाइब्रिड, आकार में बड़े) की 8 किस्में विकसित कर चुका हूं। इनमें से खेजड़ी की 2 किस्मों थार हरित और धोरों की तरकारी का पेटेंट भी अपने नाम कराया है।

किसान खींचड़ ने बताया मैंने अब तक जिन झाड़ियों को कांटों से मुक्त किया, वे साग-सब्जी बनाने और पशुओं के पौष्टिक चारे के काम आ रही हैं। इससे पहले कांटे होने के कारण उनका उपयोग नहीं हो पा रहा था। इससे चारा फ्री में मिल रहा है जबकि पहले बाजार से सूख चारा 1500 से 2000 और 1000 से 1200 रुपए क्विंटल के भाव से लाना पड़ रहा था। मिट्टी और पानी की समस्या वाले इलाकों में ग्राफ्टिंग विधि से बिना पानी के फलदार पौधे सफलता पूर्वक उगाए जा सकते हैं।

ग्राम मेघा में मिले दुर्लभ डायनासोर प्रजाति के जीवाश्म की जांच की

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले की पंचायत समिति फतेहगढ़ के ग्राम मेघा में एक अत्यंत दुर्लभ वर्टिब्रेट स्केलेटन (कशेरुकी जीवाश्म) प्राप्त हुआ है। इसकी जांच रविवार को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्र सिंह परिहार द्वारा भूवैज्ञानिक डॉ.

- 'यह फाइटासौर नामक डायनासोर प्रजाति का जीवाश्म है, जो जुरासिक काल में पाया जाता था'
- 'यह प्राणी मूलतः मगरमच्छ के आकार का था, जिसकी अनुमानित लंबाई लगभग तीन मीटर थी। ये जीव मुख्यतः घने जंगलों में रहते थे'

जयनारायण व्यास विवि के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्रसिंह ने जीवाश्म का अध्ययन किया।

नारायण दास इणखिया की सक्रिय भागीदारी एवं उपस्थिति में की गई।

प्रो. परिहार ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि यह फाइटासौर नामक डायनासोर प्रजाति का जीवाश्म है, जो जुरासिक काल में पाया जाता था। यह प्राणी मूलत: मगरमच्छ के आकार का था, जिसकी अनुमानित लंबाई लगभग तीन मीटर थी। ये जीव मुख्यत: घने जंगलों में रहते थे और मीठे जल स्त्रोतों के आसपास विचरण करते थे। डॉ. नारायण दास इणखिया ने बताया कि यह खोज जैसलमेर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेघा गांव में मिला जीवाश्म करीब दो मीटर लंबा है, जिसमें सिर, रीढ़ की हड्डी एवं पंजे जीवाश्म रूप में स्पष्ट रूप से संरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि भारत में गोंडवाना क्षेत्र के बाद केवल जैसलमेर में ही इस प्रकार का जीवाश्म रिपोर्ट हुआ है, जिससे जैसलमेर की जीवाश्मीय विविधता और महत्व एक बार फिर सामने आया है।

जैसलमेर जिले के मेघा गांव में मिले दुर्लभ डायनासोर प्रजाति के जीवाश्म के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह व फतेहगढ़ उपखण्ड अधिकारी लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यक निर्देश जारी कर रहे हैं। शीघ्र ही इस ऐतिहासिक जीवाश्म को सुरक्षित संरक्षित कर आमजन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। यह खोज पुरा-जीव विज्ञान एवं भू-विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ-साथ जैसलमेर को वैश्विक फॉसिल मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करेगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का किया लोकार्पण

जोधपुर, (कासं)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश विरोधी ताकतों को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि भारत को छेड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकियों ने वहां लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या की थी, लेकिन हमारे जवानों ने आतंकियों को धर्म नहीं बल्कि कर्म देखकर मार गिराया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को यहां हनवंत आदर्श विद्यामंदिर लालसागर परिसर में आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने लाल सागर स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में लालसागर परियोजना के तहत तैयार की गई आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का लोकार्पण किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने सशस्त्र बलों को पूर्ण समर्थन दिया, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि नागरिक, विशेषकर युवा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहे तो देश किसी भी कठिनाई का सामना कर सकता है और मजबूत बन सकता है। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युवाओं द्वारा दिखाए गए उत्साह और दृढ़ संकल्प की सराहना की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता, उन्होंने कहा कि जहां पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों के धर्म के आधार पर उनकी हत्या की, वहीं भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को शरण देने वालों को उनके कृत्य के आधार पर खात्मा किया। उन्होंने इस ऑपरेशन को नए भारत की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि रक्षा और शिक्षा का संगम अनूठा होता है और जब इसमें खेल का भी समावेश होता है, तो यह और भी विशेष बन जाता है। उनके अनुसार यहां से निकलने वाले विद्यार्थी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश का नाम रोशन करेंगे।

केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरांगनाओं का सम्मान किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान प्रदान करती है जबकि रक्षा से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। दृढ़ता, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प जैसे गुण एक सैनिक के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने एक खिलाड़ी के लिए। रक्षा, शिक्षा और खेल के इस संगम से निकले छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का आव्हान किया जो ज्ञान, संस्कृति और शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी हो।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विद्या भारती पिछले छह दशक से संस्कारमय शिक्षा दे रही है। जोधपुर में यह यात्रा 1964 से जारी है और वर्तमान में 17 विद्यालय संचालित हो रहे हैं। विद्या भारती के संगठन मंत्री यतींद्र शर्मा ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में यह बड़ा प्रकल्प विकसित किया जा रहा है। परियोजना समिति अध्यक्ष डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि यह केंद्र रक्षा, खेल, आचार्य प्रशिक्षण, प्रशासनिक सेवाओं, कौशल विकास तथा शोध-आधारित शिक्षा का उत्कृष्ट मॉडल होगा। विद्या भारती जोधपुर प्रांत अध्यक्ष प्रो. नरपत सिंह शेखावत ने बताया कि यह केंद्र शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के मूल्यों पर आधारित एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित होगा। परियोजना के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाहों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक निंबाराम, ससंदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित देश-प्रदेश के सांसद, विधायक, सैन्य और प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

वहीं केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने सोमवार को दोपहर में मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरांगनाओं का सम्मान किया। सभा के अध्यक्ष हनुमानसिंह खांगटा ने बताया कि मारवाड़ राजपूत सभा की ओर से रक्षामंत्री का अभिनंदन भी किया गया। इस दौरान केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे।

- पहलगाम में आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने कर्म देखकर मारा : रक्षा मंत्री